सशक्त भारत

सूर्या फाउण्डेशन मासिक पत्रिका

मई, 2024
वर्ष : 21
अंक : 06
₹ 3 प्रति

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

संदेश

पद्मश्री
जयप्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन - सूर्या फाउण्डेशन

हम सभी **मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार** के भाव से गाँव को शिक्षित, स्वस्थ, संस्कारित, समरस एवं स्वावलंबी बनाने का कार्य कर रहे हैं। एक ओर जहाँ भारत ने आत्मनिर्भर बनने के लिए अभूतपूर्व विकास का मार्ग अपनाया है, वहीं दूसरी ओर हम अपने पूर्वजों के द्वारा दिये गये आदर्श मूल्यों, संस्कारों, समृद्ध परंपराओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य भी कर रहे हैं। गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं से भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते हैं। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। इसी के साथ बढ़ो आगे ही आगे हम होंगे कामयाब।

पशु टीकाकरण शिविर

आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत आन्ध्र प्रदेश (हिन्दूपुर) के गोल्लापुरम गाँव में पशु टीकाकरण का शिविर लगाया गया। पशुपालन विभाग की ओर से गाय, भेड़ और बकरियों का नि:शुल्क उपचार किया गया। इस कार्यक्रम में मवेशियों से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों का उपचार और दवाईयाँ दी गई। कार्यक्रम में 40 पशुओं का उपचार एवं टीकाकरण किया गया।

शुद्ध पेय जल

के लिए लगाया गया हैण्डपम्प...

गर्मियों में अकसर राहगीरों को पेय जल की समस्या होती है। इसके अनेक समाधान भी हैं। इसके लिए हमें क्रियाशील होने की जरूरत है। **सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना** द्वारा गर्मी के मौसम में ताजे पेयजल के समाधान हेतु संस्था के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी की पहल से हरियाणा के गाँव झिंझौली, जाखोदा, हलालपुर और तलवण्डी रुक्का में हैण्डपम्प लगाया गया। इससे ग्रामवासियों व राहगीरों को पीने के लिए मीठा एवं ताजा पानी मिल रहा है। तलवण्डी रुक्का में सूर्या फाउण्डेशन के वाइस चेयरमैन श्री मुकेश त्रिपाठी जी द्वारा हैण्डपम्प का शुभारंभ किया गया।

जल है तो कल है।

ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर

राज्य
18

गाँव
250

शिविरार्थी
7013

आज के बच्चे-कल का भारत को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन **आदर्श गाँव योजना** के अन्तर्गत ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन 01 अप्रैल से 31 मई 2024 तक किया गया।

इस 10 दिवसीय ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर में आने वाले सभी भैया-बहनों का सर्वांगीण विकास के लिए वृक्षारोपण, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता, कबाड़ से जुगाड़ जैसी उपयोगी एवं सजावटी सामान बनाना, मानचित्र रीडिंग में **मेरा गाँव मेरा तीर्थ** के भाव को ध्यान में रखकर गाँव एवं ब्लॉक स्तर तक के मानचित्र में स्थानों को चिन्हित करना, आर्ट एंव क्रॉफ्ट के माध्यम से पेपर कटिंग के द्वारा आकृतियाँ बनाना एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ उनका सामाजिक ज्ञान बढ़ाना, विज्ञान के लघु प्रयोग कराना, मिट्टी से कई प्रकार के खिलौने बनाना जैसी कुशलताएँ बच्चों को सिखाई गई।

इस शिविर के माध्यम से बच्चों में बचपन से ही संस्कारित शिक्षा देने से उनके व्यक्तित्व को निखारकर एक अच्छे चरित्र का निर्माण किया जा रहा है।

आज के बच्चे कल का भारत

मल्टी लेयर कृषि प्रणाली प्रशिक्षण

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव के किसानों को समय-समय पर कृषि हेतु कई प्रकार की नई जानकारियाँ विशेषज्ञों द्वारा दी जाती है। गाँव बसई (उ.ख.) व आसपास के 10 गाँवों के 50 किसानों का तीन दिवसीय मल्टीलेयर कृषि प्रशिक्षण शिविर किया गया। प्रशिक्षक के रूप में इस पद्धति के आविष्कारक **श्री आकाश जी** उपस्थित रहे। इससे किसान एक ही समय व एक ही स्थान पर कई प्रकार की फसलों का उत्पादन कर सकता है। गाँव के किसान मनोज सैनी जी ने अपने खेत में मल्टीलेयर कृषि प्रणाली का मॉडल बनाकर प्रयोग किया। इस शिविर का उद्देश्य, किसानों की आय में वृद्धि करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

स्वयं सहायता समूह

महिला स्वालम्बन शिविर में प्रशिक्षित गाँव पेण्ड्री (छत्तीसगढ़) एवं भुज (गुजरात) की महिलाओं द्वारा गाँव के कार्यक्रम, मेले व प्लांट में स्टाल लगाया जाता है। जिसमें साबुन, वासिंग पॉउडर, गोनाइल, डिसवॉश, पापड़, अचार, नमकीन आदि सामग्रियों के प्रचार-प्रसार के साथ साथ बिक्री की जाती है। गाँव के लोग घर की बनी शुद्ध वस्तुओं की खूब खरीदारी करते हैं। यह स्टॉल सबके आकर्षण का केन्द्र तो रहता ही है साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की ओर ले जाने में सहायक है।

बीज वितरण

उत्तराखण्ड एवं मेरठ

उत्तराखण्ड के श्यामनगर, हल्दुआ एवं बरखेड़ा पांडे गाँव में अनुसूचित जाति के 390 किसानों को धान व सब्जियों के उन्नत बीज नि:शुल्क वितरण किये गये। यह बीज पूषा इंस्टीट्यूट, दिल्ली से उपलब्ध कराये गये। बीज वितरण में सरकारी वकील श्री संजय रोहेला, मो. आकिब तैसी, ग्राम प्रधान श्री दिनेश, हेमन्त यादव टेक्निकल सहायक व फाउण्डेशन की टोली उपस्थित रही।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR & IARI) एवं सूर्या फाउण्डेशन द्वारा अनुसूचित जाति परियोजना के अंर्तगत **उत्तराखण्ड** के उधमसिंह नगर और उत्तर प्रदेश के **मेरठ जिले** के लगभग 1500 किसान परिवारों में बासमती धान तथा सब्जियों के बीजों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में IARI संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. ब्रजेश मिश्रा, डॉ. शशांक, स्थानीय कृषि विभाग अधिकारी, सूर्या फाउण्डेशन से गौतम नायक एवं संजय वशिष्ठ जी द्वारा फसलें लगाते समय रखने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी बताया गया।

सशक्त भारत के प्रकाशक, मुद्रक-बिग्रेडियर डी.सी. पंत (सेवानिवृत्त) द्वारा सूर्या फाउण्डेशन के लिए बी-3/330, पश्चिम विहार, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं एक्सपो प्रिंट एवं मीडिया ज्वालाहेड़ी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063, से मुद्रित
सम्पादक : प्रमोद कुमार आसरे

Licence No. DL(W) 10/2109/2024-26
R.N.I. No. DELHIN/2003/09359
U Licence : U (W) - 09/2024-26
Date of Publication : 04 Jun, 2024
Date of Postage : 7-8 Jun, 2024
Place of Posting : NIE Post Office

झलकियाँ समाचार पत्रों में...

ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिबिर नो समापन समारोह योजायो.

સૂર્યા ફાઉન્ડેશન દ્વારા અંજાર તાલુકા ના ચંદીયા ગામે ધોરણ 3 થી 10 સુધી ના બાળકો નું નિઃશુલ્ક ગ્રામીણ વ્યક્તિત્વ વિકાસ શિબિર નું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. આ શીબીર માં બાળકો ને ટીમ વર્ક, અનુશાસન, આર્ટ એન્ડ ક્રાફ્ટ, મડ વર્ક, પેપર કટિંગ, વૈજ્ઞાનિક પ્રયોગો, બૌધ્ધિક સત્રો, યોગ, ધ્યાન, કરાટે, ભારતીય ખેલ વગેરે શિખવાડવામાં આવ્યું હતું. આ શિબિર ના સમાપન પ્રસંગે સૂર્યા ફાઉન્ડેશન દિલ્હી થી શ્રી નિશાંત અગ્રવાલ, શ્રી અવિનાશ ત્રિપાઠી, શ્રી મણિપત સુથાર, ગામ ના કેળવણી અગ્રણી શ્રી નજુભા રાઠોડ, શિક્ષણ સમિતિના સદસ્ય શ્રી રેખાબેન આંબલિયા, શ્રી ભગવતી બેન, શ્રી ગાયત્રી બેન, શ્રી રામ સોમા તેમજ મોટી સંખ્યામાં ગ્રામ જનો ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

सूर्या फाउंडेशन ने झिंझौली व हलालपुर में लगवाए हैंडपंप

खरखौदा। पेयजल संकट से निपटने को लगवाए हैंडपंप।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ खरखौदा

पेयजल की समस्या से निपटने के लिए सूर्या फाउंडेशन ने झिंझौली व हलालपुर गांव में एक-एक हैंड पंप लगवाया गया। सूर्या फाउंडेशन अनेक वर्षों से पर्यावरण एवं जल संरक्षण का कार्य करता आ रहा है। ग्रामीणों के सहयोग से वाटर हार्वेस्टिंग, छत के पानी का संरक्षण, खराब पंपों को रिचार्ज करना, तालाब गहरी करण रैली एवं गोष्ठी के माध्यम से जागरूक कराता आ रहा है। गांव में पीने के पानी की कमी को लेकर सूर्या फाउंडेशन चेयरमैन जयप्रकाश ने हैंड पंप लगवाने की व्यवस्था की है। इस मौके पर गांव प्रधान राजू, संजय तिवारी सोहन हिमांशु राजेंद्र रमेश हरि ओम नरेंद्र व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मालनपुर सिंघवारी में हुआ ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन

सूर्या फाउंडेशन के आदर्श गांव योजना भिण्ड जिला के सिंघवारी गांव में ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन ... सूर्या फाउंडेशन ... ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर ... सूर्या फाउंडेशन ... 152 ग्रामीण उपस्थित रहे ...

ग्रामीण विकास शिविर का समापन

सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर का ... सूर्या फाउंडेशन ...

సూర్య ఫౌండేషన్ ఆధ్వర్యంలో ఉచిత వేసవి శిబిరాలు

హిందూపురం రూరల్ మే 16 మనం న్యూస్ : ... సూర్య ఫౌండేషన్ ద్వారా ... ఉచిత వేసవి శిబిరాలు ... సూర్య ఫౌండేషన్ ... 18 ... ఏప్రిల్ 1 నుండి మే 31 వరకు ... 10 రోజుల శిబిరంలో ... సూర్య ఫౌండేషన్ ...

एक ही जगह, एक ही समय, एक से अधिक फसल उगाने से बढ़ेगी आमदनी

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों को बताए गए मल्टीलेयर कृषि के तरीके, 50 को मल्टीलेयर कृषि का ढांचा तैयार करने सहित अन्य जरूरी चीजों का दिया प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

काशीपुर। अमूमन किसान एक समय में एक ही फसल की खेती कर पाते हैं। लेकिन अब आमदनी बढ़ाने के लिए किसान कृषि में नई तकनीक और प्रणाली का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन्हीं में से एक है मल्टीलेयर कृषि, इसमें किसान एक ही समय में एक ही जगह पर कई तरह की फसल लगा सकते हैं। इसमें सबसे पहले ऐसी फसल बोई जाती है, जो जमीन के अंदर उगती है। इसके बाद ऐसी फसलें बोई जाती हैं, जो जमीन से थोड़ी ऊपर तक आएं और फिर इससे अधिक ऊंची फसलें बोई जाती हैं।

काशीपुर में प्रशिक्षण के दौरान मौजूद किसान। संवाद

ये हैं फायदे

- 70 से 80 प्रतिशत पानी की बचत।
- मौसम के बुरे प्रभाव से बचाव।
- कीड़ों का प्रकोप कम हो जाता है।
- खाद की तीन गुना बचत।
- तीन गुना जमीन का उपयोग।
- समय और धन की तीन गुना बचत होती है।
- खरपतवार 70 से 80 प्रतिशत कम हो जाते हैं।
- उत्पादन तीन गुना बढ़ जाता है।
- फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है

किसानों की जरूरतों को देखते हुए सूर्या फाउंडेशन की ओर से तीन दिवसीय मल्टीलेयर कृषि प्रणाली प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को कृषि करने की सरल और लाभकारी पद्धति के बारे में बताया गया।

ग्राम ... में आयोजित प्रशिक्षण में, कार्यशाला प्रशिक्षक आकाश चौहान ने ... सहित काशीपुर के 50 किसानों मल्टीलेयर कृषि का ढांचा बनाने सहित अन्य जरूरी चीजों का प्रशिक्षण दिया।

बताया कि इस पद्धति की पहली लेयर जमीन के नीचे अदरक, हल्दी, मूली, गाजर आदि उगाई जाती है। प्रथम तल में जमीन पर उगने वाली फसलें धनिया, पालक आदि, दूसरे तल में लता वाली फसलें लौकी, सेम, तोरई और सबसे ऊपर फलने वाली फसल पपीता, सहजन आदि की खेती होती है।

प्रगतिशील किसान मनोज सैनी के खेत में मल्टीलेयर कृषि प्रणाली का ढांचा तैयार कर प्रयोग भी किया। यहां ... विश्वकर्मा, ... आदि मौजूद रहे।